जनपद संत कबीर नगर की भ्रमण निरीक्षण आख्या

भ्रमण टीम –	दिनांक –19 एवं 21 जुलाई 2017
डॉ0 अनिल कुमार मिश्र – महाप्रबन्धक, (ट्रेनिंग) श्री अरविन्द त्रिपाठी – कन्सलटेन्ट, (I.E.C./B.C.C.) डॉ0 रईस अहमद – कन्सलटेन्ट, (मातृ स्वास्थ्य)	**स्थान** – सामु.स्वा.केन्द्र नाथनगर (नान एफ.आर.यू.), सामु. स्वा.केन्द्र मेंहदावल (एफ.आर.यू.), जिला संयुक्त चिकित्सालय, वी0एच0एन0डी0,, दिनेश सिंह का घर, खलीलाबाद, संत कबीर नगर

दिनांक– 19.07.2017 **भ्रमण स्थल – अरबन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र काशीराम, संत कबीर नगर**

1. भ्रमण टीम ने पाया कि इस शहरी स्वास्थ्य केन्द्र में निर्माण के समय मानक के अनुसार स्थान एवं कमरे नहीं थे। वर्तमान में अवगत कराया गया है कि अतिरिक्त कमरों का निर्माण करा दिया गया है जिसे उपयोग हेतु लिया जा रहा है पर अभी भी लेवर रुम मानक के सापेक्ष कनजेस्टेड पाया गया।
2. **जननी सुरक्षा योजना –**
   जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत अब तक संस्थागत प्रसव 65 है। जिसके सापेक्ष मात्र 49 लाभार्थियों का भुगतान अब तक किया गया है तथा 16 लाभार्थियों का भुगतान नहीं किया गया है जोकि कुल लाभार्थियों का 23 प्रतिशत है जो लाभार्थियों को तत्काल भुगतान कराये जाने के नियमों के अनुरूप नही है। इसे तत्काल कराये जाने का निर्देश दिया गया। आशाओं का भुगतान माह मई 2017 तक किया जा चुका है।
3. **ओ.पी.डी./आई.पी.डी –**
   उक्त इकाई पर माह जून तक ओ.पी.डी. 1734 है जोकि इस प्रकार लगभग 20 रोगी प्रतिदिन की दर से देखे जा रहे है।
4. **मानव संसाधन–**
   मानव संसाधन परिपूर्ण पाया गया। कोई पद रिक्त नहीं है। चिकित्सक एवं समस्त स्टाफ उपस्थित पाये गये।
5. **यू.एच.एन.डी –**
   उक्त इकाई पर ए.एन.एम. द्वारा वी.एच.एन.डी. का संचालन किया जा रहा था। आंगनवाड़ी कार्यकत्री एवं आशा उपस्थित पायी गयी। समस्त वैक्सीन एवं उपकरण सामग्री (लाजिस्टिक) उपलब्ध एवं क्रियाशील पाये गये। खतरे की स्थिति वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान व जांच पंजिका भरी जा रही पायी गयी तथा आवश्यकतानुसार आयरन, शुक्रोज, थैरेपी दी जा रही है। तथा आवश्यकतानुसार संदर्भन किया जा रहा है। जिसका विवरण उपलब्ध पाया गया।

---2

मान्यवर काशीराम शहरी गरीब आवास

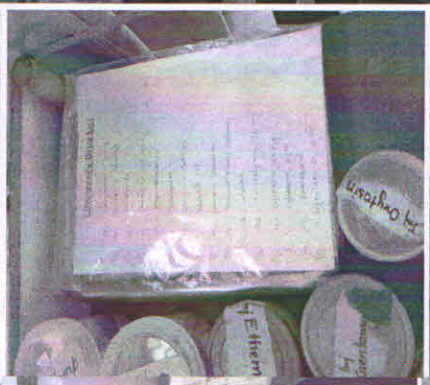
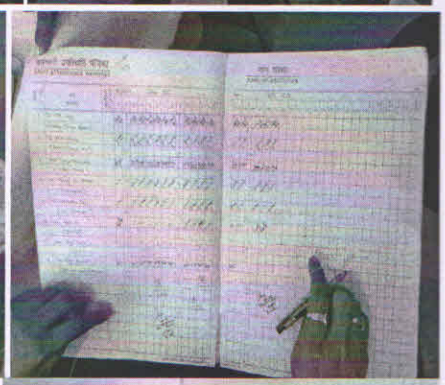
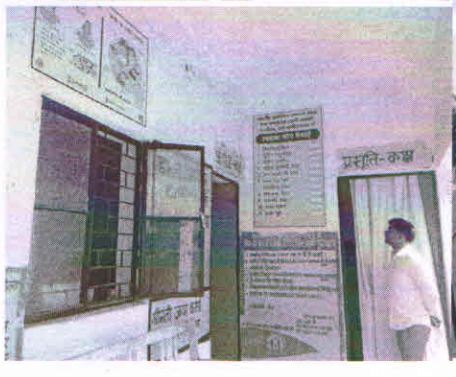
प्रसूति-कक्ष

दिनांक– 19.07.2017

भ्रमण स्थल – ग्राम– बड़गो, वी.एच.एन.डी. स्थल– दिनेश सिंह का घर, खलीलाबाद, संत कबीर नगर

उक्त स्थल पर ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस का आयोजन किया जा रहा था, ए.एन.एम., ए0एन0एम0 श्रीमति पूर्णिमा भारती, आगनवाड़ी कार्यकत्री श्रीमति सुनिता एवं अमरवती, आशा पुष्पा यादव उपस्थित पायी गयी, वैक्सीन एवं उपकरण एवं अन्य लाजिस्टिक उपलब्ध पाये गये। आई.एफ.ए. टेबलेट, एल्बेण्डाजाल टेबलेट, हीमोग्लोबिन मानप स्ट्रिप, पेशाब की जांच सम्बन्धी स्ट्रिप, हब कटर, स्टेथोस्कोप, थर्मामीटर, बी.पी. मशीन इत्यादि उपकरण क्रियाशील पाये गये। लिस्ट के मानकानुसार ए0एन0एम0 द्वारा कार्य सम्पादित किया जा रहा था। परन्तु एम0सी0पी0 कार्ड पर समस्त सूचनाओं का अंकन नही पाया गया।

कैल्सियम टेबलेट अनुपलब्ध पाया गया। जनपद स्तर पर जानकारी किये जाने ज्ञात हुआ कि पिछले वित्तीय वर्ष में आर्डर कैल्सियम टेबलेट का आर्डर दिया गया था जिस हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष तक में रिमाईन्डर दिये गये है परन्तु सप्लाई नहीं प्राप्त हो सकी है। उक्त स्थल पर बैनर आई.ई.सी. सामग्री इत्यादि पाया गया।

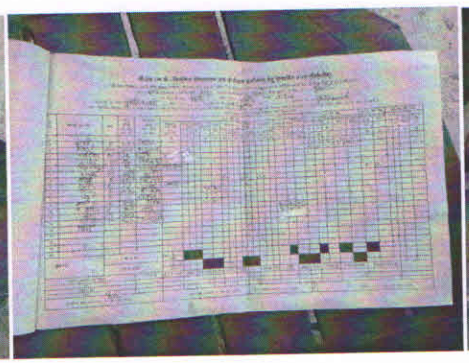

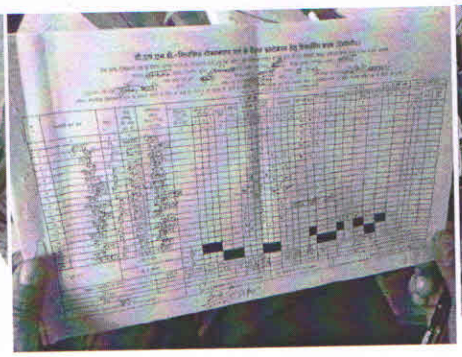

दिनांक– 20.07.2017

भ्रमण स्थल – सामु.स्वा.केन्द्र– नाथनगर (नान एफ.आर.यू.) संत कबीर नगर

1. उक्त इकाई का भ्रमण प्रातः 08:45 पर किया गया। चिकित्सा अधीक्षक स्वयं विलम्ब से प्रातः 09:20 बजे चिकित्सालय आये।
2. **आर.बी.एस.के. के आप्टोमटिस्ट धर्मेन्द्र कुमार यादव के अवकाश सम्बन्धी प्रार्थना पत्र उपलब्ध पाया गया परन्तु उसपर दिनांक परिवर्तित करके अवकाश दर्शाया गया है। जो सर्वथा अनुचित है। उपस्थिति पंजीकरण बी0सी0पी0एम0 बी0ए0एम0 द्वारा उपस्थिति नहीं लगायी जा रही थी, न ही किसी प्रकार का अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र पाया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उक्त से अवगत कराते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही का अनुरोध किया गया।**
3. शेष स्टाफ उपस्थित पाये गये। डा0 पुष्पा सिंह, ईमोक ट्रेन्ड पी0जी0 हेतु अवकाश पर गयी। अन्य महिला चिकित्सालय अधिकारी द्वारा ओ0पी0डी0 में मरीजो को देखा जा रहा था।
4. कैम्पस की साफ सफाई की व्यवस्था सुदृढ़ पायी गयी लेबर रुम में भी साफ सफाई तथा प्रोटोकाल पोस्टर आई.ई.सी. सामग्री इत्यादि उचित स्थान पर पाये गये।

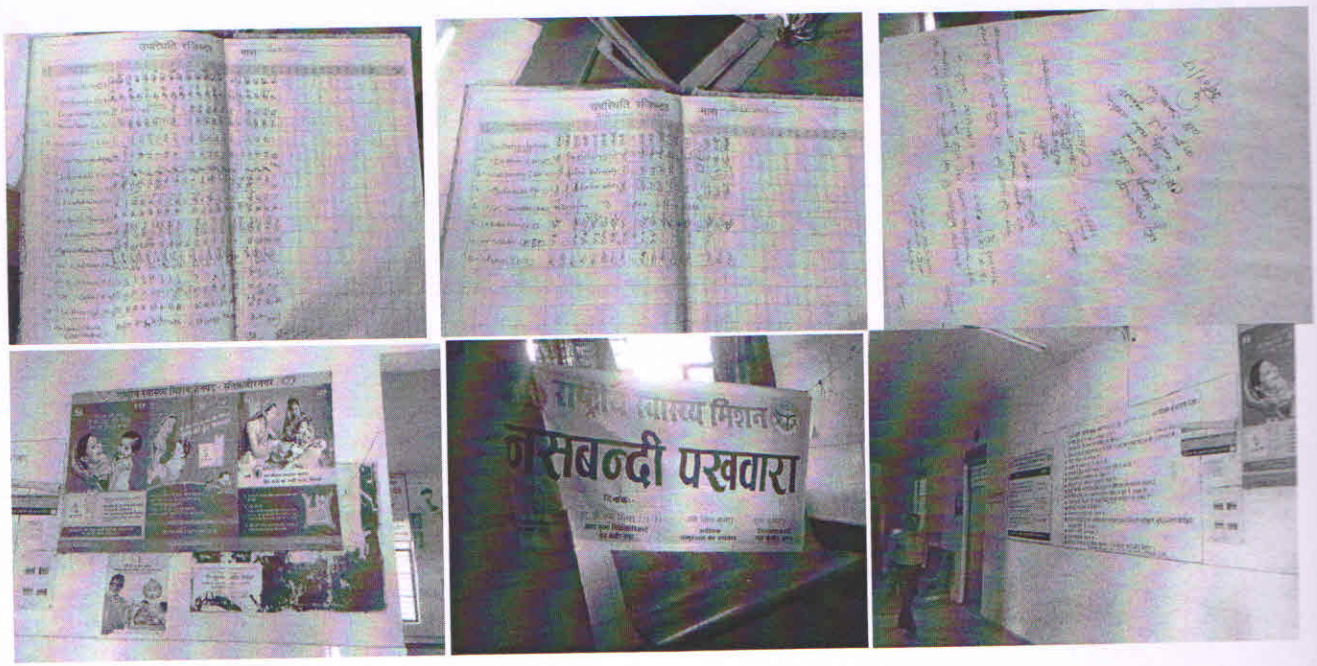

5. डिलीवरी टेबल तथा मैकेन्टांस सीट, कैलिस पैड, कलर कोडेड बीन, आक्सीजन सिलेन्डर, सेवेन ट्रे कान्सेप्ट इत्यादि सुव्यवस्थित पाये गये। नवजात शिशु देखभाल कार्नर रेडियन्ट वार्मर के साथ क्रियाशील पाया गया। नलों में एल्बो सिस्टम का प्रयोग किया गया है। सेनेटरी नैपकीन की उपलब्धता पायी गयी, **परन्तु सक्शन मशीन जैसा जीवन रक्षक उपकरण अक्रियाशील पाया गया। जिसे ठीक कराने का निर्देश दिया गया।**
6. जे.एस.वाई. लाभार्थी रामवती (गर्भवती महिला) जो प्रसव पीड़ा में लेबर रुम मे उपस्थित थी से उक्त इकाई द्वारा क्या किसी प्रकार की धनराशि की मांग की गयी की जानकारी की गयी जिसपर उसके द्वारा बताया गया कि किसी भी प्रकार की धनराशि की मांग नहीं की गयी है। जे.एस.वाई. वार्ड में लाईट पखें साफ सफाई इत्यादि की व्यवस्था सुदृढ़ पायी गयी।

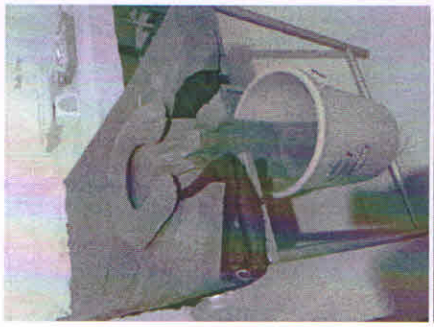

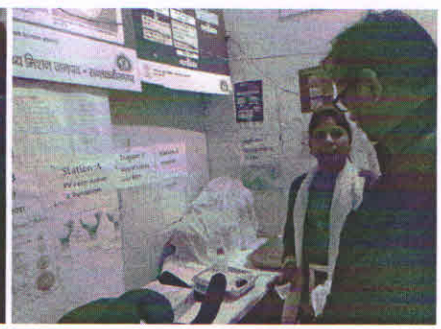

7. इन्सेफलाईटिस वार्ड में साफ सफाई व्यवस्था ठीक पायी गयी परन्तु उसमें टी.वी. लगा हुआ पाया गया जो उचित नहीं है, कारण से चिकित्सा अक्षीक्षक को अवगत कराते हुए उसे वहां से हटवाये जाने हेतु अधीक्षक को निर्देशित किया गया तथा उक्त टी.वी. जे.एस.वाई वार्ड में स्थानांतरित किये जाने का सुझाव दिया गया। शौचालय इत्यादि की व्यवस्था ठीक पायी गयी।
8. जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह के माध्यम से लाभार्थियों का निःशुल्क डाईट नियमानुसार उपलब्ध करायी जा रही है। नवजात बच्चें को रैप करने के लिए डबल काटन कपड़े उपलब्ध कराये जा रहे है। आयुष चिकित्सक के द्वारा ओ.पी.डी. किये जाते हुए पाया गया। लैब में तैनात एल.ए. के द्वारा जांचें की जा रही है। उपकरण व अन्य लाजिस्टिक उपलब्ध पाये गयें।

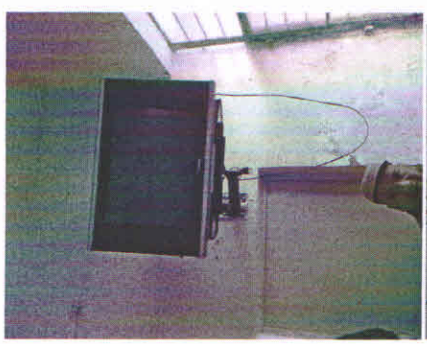

9. जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 20.06.2017 तक कुल 640 प्रसव हुए जिसमें से 548 लाभार्थियों को भुगतान किया जा चुका था। 92 लाभार्थियों का भुगतान अवशेष पाये गये जिसमें से अबतक 55 और लाभार्थियों का भुगतान कर दिये गये। इसी प्रकार माह जून 2017 तक आशा द्वारा लायी गयी लाभार्थियों की कुल संख्या 580 थी जिसके सापेक्ष 553 लाभार्थियों हेतु आशाओं को भुगतान कर दिया गया। 27 लाभार्भियों हेतु आशाओं को प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान किया जाना लम्बित पाया गया। जे.एस.वाई. वार्ड में लाईट पखें साफ सफाई इत्यादि की व्यवस्था सुदृढ़ पायी गयी।

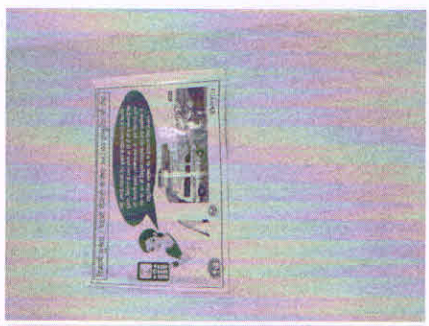

10. अस्पताल में अन्य स्थानों पर सफाई व्यवस्था ठीक नहीं पायी गयी तथा जननी सुरक्षा योजना सहित अन्य योजनाओं के प्रोटोकाल पोस्टर पुराने दिशा–निर्देशों पर आधारित है, जिन्हे सुधारने की सलाह दी गयी।

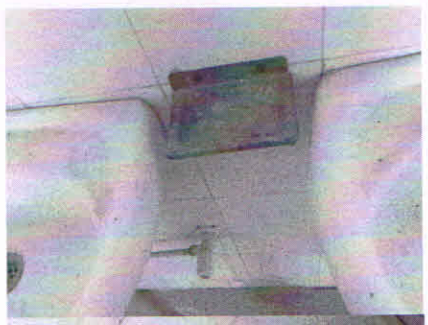

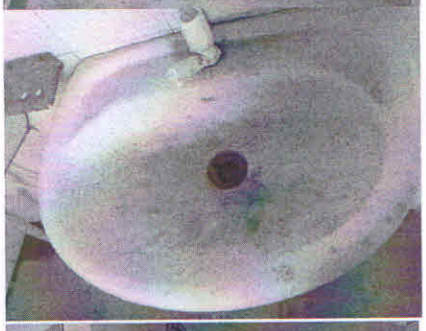

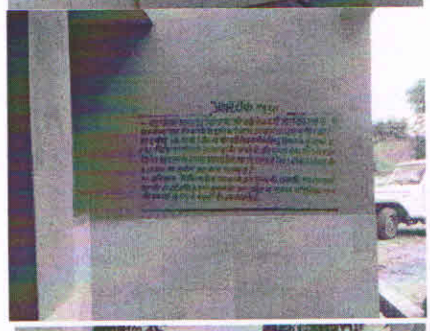
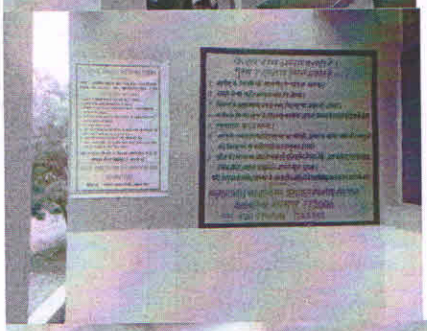

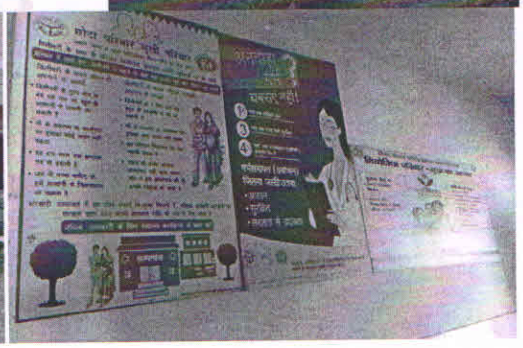

दिनांक– 20.07.2017

भ्रमण स्थल – सामु.स्वा.केन्द्र मेंहदावल (एफ.आर.यू.) संत कबीर नगर

1. उक्त इकाई का भ्रमण अपराह्न 1:30 बजे किया गया। जहां पर गेट से घुसते ही कैम्पस में बाईक स्टैण्ड के पास पशु खड़े पाये गये।

2. आयुष चिकित्सक श्री राममगन उपस्थित पाये गये परन्तु दवा का स्टोर बेतरतीब पाया गया। उनके द्वारा बताया गया कि रैक की डिमाण्ड की गयी थी परन्तु तक उपलब्ध नही हो पाया है। उनके द्वारा बताया गया है कि प्रतिदिन औसतन 35 से 40 ओपी.डी. की जा रही है। फर्मासिस्ट की उपलब्धता कराये जाने हेतु आग्रह किया गया।

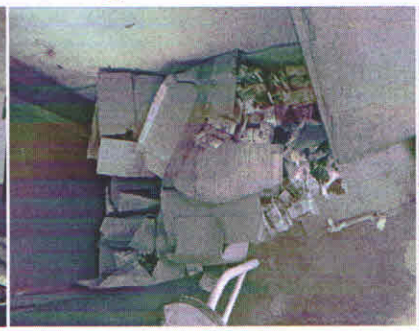

3. अधीक्षक एवं अन्य स्टाफ उपस्थित पाये गये शेष कैम्पस में साफ सफाई व्यवस्था ठीक नहीं पायी गयी। इस हेतु अधीक्षक का ध्यान आकर्षित करते हुए इस प्रकार की लापरवाही न किये जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा लापरवाही करने वाले के खिलाफ सख्त कार्यवाही किसे जाने के निर्देश दिये गये।
4. लेबर रुम व उसके बगल में कुल 2 टायलेट बने है जिनमें एक में ताला बन्द था तथा दूसरा टायलेट अत्यन्त गंदा एवं मल से भरा हुआ था। संज्ञान में आया कि उक्त इकाई क्षेत्र में एक दिन पूर्व ही मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा भ्रमण किया गया था तथा यह अवगत कराते हुए
5. कि राज्य स्तर से सर्पोटिव सुपरविजन हेतु अधिकारियों द्वारा भ्रमण किया जाना है। आवश्यक निर्देश दिये गये थे यह भी इस प्रकार से प्रतीत होता है कि कार्य के प्रति अधीक्षक तथा वहां अन्य जिम्मेदार स्टाफ के द्वारा कार्य के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही की जा रही है।

6. जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत लेबर रुम में भी साफ सफाई तथा प्रोटोकाल पोस्टर आई.ई.सी. सामग्री इत्यादि उचित स्थान पर पाये गये। डिलीवरी टेबल तथा मैकेन्टांस सीट, कैलिस पैड, कलर कोडेड बीन, आक्सीजन सिलेन्डर, सेवेन ट्रे कान्सेप्ट इत्यादि सुव्यवस्थित पाये गये। नवजात शिशु देखभाल कार्नर रेडियन्ट वार्मर के साथ क्रियाशील पाया गया। सेनेटरी नैपकीन की उपलब्धता पायी गयी। समस्त नलों में एल्बो सिस्टम का प्रयोग किया गया है। ड्रेसिंग रुम एवं इन्सेफलाईटिस वार्ड की भी जांच की गयी। जिसमें पाया गया कि उक्त दोनो ठीक प्रकार क्रियाशील है।

7. जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह के माध्यम से लाभार्थियों का निःशुल्क डाईट उपलब्ध करायी जा रही है। परन्तु डाईट रजिस्टर में डाईट इत्यादि तो भरा जा रहा है लेकिन लाभार्थी के डिस्चार्ज का दिनांक नहीं भरा जा रहा है। जो घोर आपत्तिजनक है इस तथ्य से चिकित्सा अधीक्षक को अवगत कराया गया तथा आगे से उसमें लाभार्थी के डिस्चार्ज दिनांक को अंकन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। नवजात बच्चें को रैप करने के लिए डबल काटन कपड़े उपलब्ध कराये जा रहे है। आयुष चिकित्सक के द्वारा ओ.पी.डी. किये जाते हुए पाया गया। लैब में तैनात एल.ए. के द्वारा जांचें की जा रही है। उपकरण व अन्य लाजिस्टिक उपलब्ध कराये गयें। लैब में तैनात एल.ए. के द्वारा जांचें की जा रही है। उपकरण व अन्य लाजिस्टिक उपलब्ध पाये गयें।
8. जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 20.06.2017 तक कुल 756 प्रसव हुए जिसमें से 673 लाभार्थियों को भुगतान किया जा चुका था। 83 लाभार्थियों का भुगतान अवशेष

पाये गये जिसमें से अबतक 50 और लाभार्थियों का भुगतान कर दिये गये। इसी प्रकार माह जून 2017 तक आशा द्वारा लायी गयी लाभार्थियों की कुल संख्या 666 थी जिसके सापेक्ष 664 लाभार्थियों हेतु आशाओं को भुगतान कर दिया गया। 2 लाभार्भियों हेतु आशाओं को प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान किया जाना लम्बित पाया गया। **सीजर–2 है।** जे.एस.वाई. वार्ड में लाईट पखें साफ सफाई इत्यादि की व्यवस्था सुदृढ़ पायी गयी। बायोमिट्रिक मशीन कम्प्यूटर से जुड़े नहीं होने के कारण कर्मचारियों एवं चिकित्सकों की उपस्थिति की सही सूचना नही दे सके।

9. जनवरी 2017 से डेन्टल चेयर खराब होने के कारण दन्त रोग विशेषज्ञ सेवाएं नहीं प्रदान कर पा रहे है। जिसे तत्काल ठीक कराने के लिए निर्देशित किया गया।

10. सामु.स्वा.केन्द्र मेंहदावल में पुराना आई0ई0सी0 मैटेरियल लगा हुआ है, जबकि नई गाइडलाइन प्रेषित की जा चुकी है।

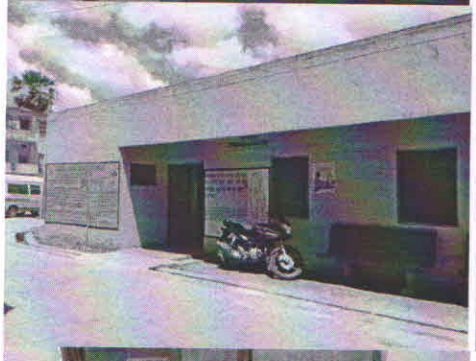

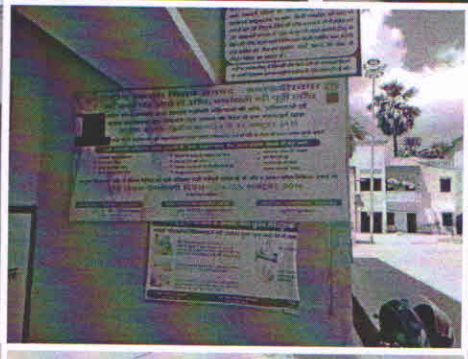

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम
आँखों से सम्बन्धित जानकारियाँ:-

सुविधाएं प्रत्येक दिन 24 घन्टे उपलब्ध है ।

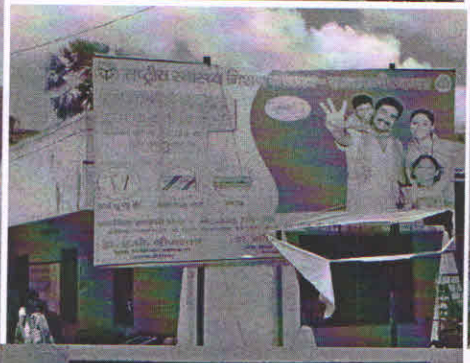

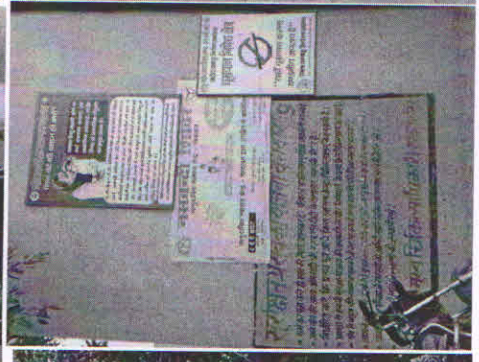

कानून

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

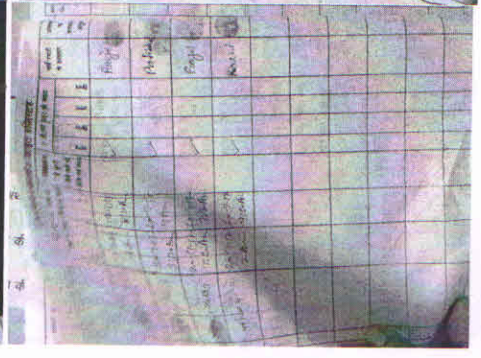

दिनांक– 21.07.2017

भ्रमण स्थल – संयुक्त जिला चिकित्सालय संत कबीर नगर

संयुक्त जिला चिकित्सालय का भ्रमण प्रातः 10 बजे सपोर्टिव सुपरविजन टीम द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, संयुक्त चिकित्सालय डा0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव मण्डलीय प्रबंधक श्री अरविन्द पाण्डेय एवं जिला प्रबंधक श्री वी0के0 श्रीवास्तव के साथ किया गया। भ्रमण के दौरान पाये गये मुख्य बिन्दु निम्नवत् है–

1. अस्पताल की साफ–सफाई सन्तोष जनक नहीं पायी गयी।

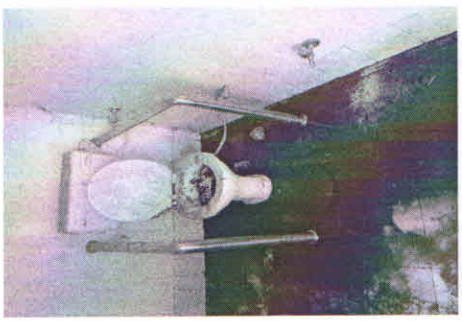

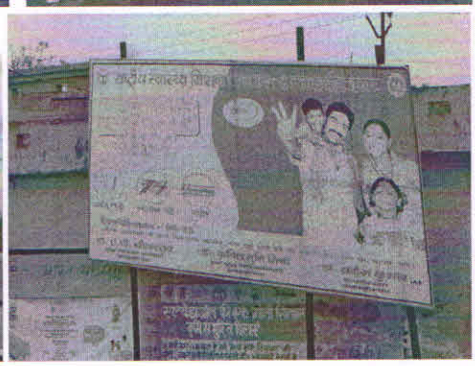

2. हॉस्पिटल वेस्ट मैनेजमेन्ट का प्रबंध नहीं किया जा रहा था। कलर कोडेड डस्टबिन उपलब्ध नहीं थी।

3. निरीक्षण के दौरान एमरजेन्सी कक्ष में व्यवस्थित नहीं पाया गया। सक्शन मशीन खराब पायी गयी।ड्रेसिंग रूम के साथ के कक्ष में कूड़े की तरह अनुपयोगी चीजे भरी हुयी थी। सक्शन मशीन अक्रियाशील थी। आकस्मिक चिकित्सा विभाग मे व्यापक सुधार हेतु कहा गया।

4. जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत आई0ई0सी0 नवीनतम दिशा–निर्देशों के अनुसार अपडेटेड नहीं पाया गया, जिसे ठीक कराने के लिए सुझाव दिया गया।

5. चिकित्सालय में कैल्शियम की दवा अनुपलब्ध पायी गयी, मुख्य चिकित्साधिकारी को सूचित किया गया उन्होनें खरीद की प्रक्रिया जारी होने की जानकारी प्रदान की गयी।
6. ऑपरेशन कक्ष का इस्तेमाल सही ढंग से नहीं किया जा रहा था।
7. क्लीनिंग स्वीपिंग का कार्य भी संतोष जनक नहीं पाया गया।

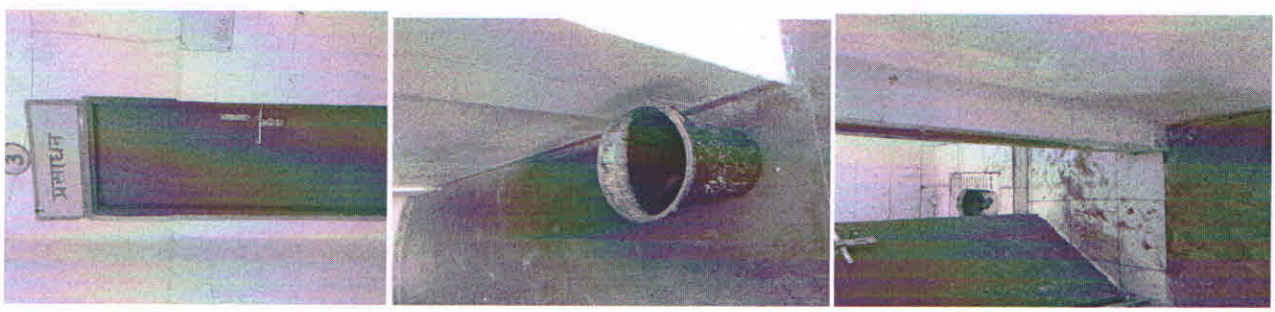

8. जे0एस0एस0के0 / एन0आर0सी0 के अन्तर्गत भोजन की व्यवस्था स्वयं–सहायता समूह द्वारा प्रदान की जा रही थी। एवं भोजन का भुगतान डाइट के हिसाब से किया जा रहा था। किचन का रख–रखाव और साफ–सफाई की व्यवस्था उचित नहीं थी।

9. इस चिकित्सालय में गत माह 10 सी–सेक्शन कराये गये है।
10. लेबर रूम में उपस्थिति गाइनोकोलॉजिस्ट द्वारा अवगत कराया गया कि अन्य सी0एच0सी0 द्वारा भी मेडिको लीगल जिला चिकित्सालय में रेफर किये जाते है एवं निकट जनपद सिद्धार्थ नगर द्वारा भी मेडिको लीगल रेफर किये जाते है, जिससे प्रसव कक्ष में कार्यभार अधिक रहता है।
11. लेबर रूम में प्रोटोकाल पोस्टर मानकानुसार व्यवस्थित नहीं पाये गये।
12. लेबर रूम रजिस्टर का रख–रखाव सही नहीं पाया गया।
13. एच0आर0पी0 रजिस्टर अपडेटेड नहीं पाया गया।
14. मानव संसाधन के अन्तर्गत जिला संयुक्त जिला चिकित्सालय में 04 गाइनोकोलॉजिस्ट, 01 पीडियाट्रिशन, 01 एनेस्टेथेटिक एवं स्टाफ द्वारा अवगत कराया गया।
15. **पी0आई0सी0यू0/जे0ई0–ए0ई0एस0 वार्ड का कोई भी मॉनिटर/वेन्टीलेटर सिस्टम कियाशील नहीं था। सेन्ट्रल मॉनिटर खराब होने के कारण किसी अन्य जगह रख दिया गया था। इस प्रकार यह अत्यन्त संवेदनशीलपी0आई0सी0यू0/जे0ई0–ए0ई0एस0 वार्ड मंहगी मशीनों को लगे होने के बाद भी जे0ई0–ए0ई0एस0 रोगियों हेतु पूर्णतः अकियाशील पाया गया, जिस पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही आपेक्षित है।**
16. भ्रमण के दौरान जे0ई0–ए0ई0एस0 वार्ड में 08 बच्चे भर्ती थे, जिनमें से कोई भी जे0ई0/ए0ई0एस0 से प्रभावित नहीं था।
17. जे0ई0/ए0ई0एस0/ पी0आई0सी0यू0 वार्ड में कुल 20 स्टाफ नर्स कार्यरत है। किन्तु सेन्ट्रल मॉनिटर सिस्टम कार्य नहीं करने के कारण 12 स्टाफ नर्स को जे0एस0वाई0 वार्ड में लगा दिया गया है।

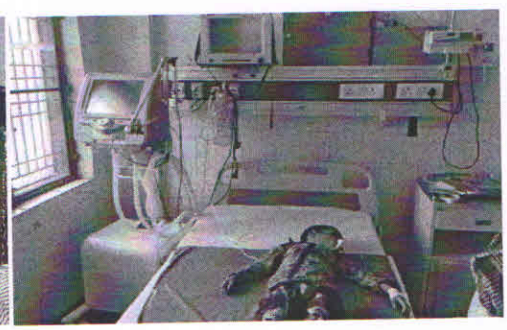

इस प्रकार कमियों को इंगित करते हुए संयुक्त चिकित्सालय में व्यापक सुधार हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सलाह दी गयी।

27/07/17

(डा0 रईस अहमद) (श्री अरविन्द त्रिपाठी) (डा0 अनिल कुमार मिश्र)

Arvind Tripathi
Consultant, NHM